कृषि मौसम सेवा

कृषि जलवायु क्षेत्र गिर्द (मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, श्योपुर, अशोकनगर), विंध्य पठार (सागर, दमोह, भापाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा) तथा निमाड़ घाटी (खरगौन, बुरहानपुर, हरदा, बड़वानी, खण्डवा) के लिये जारी।

मौसम पूर्वानुमान की वैद्यताः 15–19 मार्च, 2017

- **गिर्द क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 27–33 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 10–17 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में छुटपुट बादल रहने की संभावना है।
- **विंध्य पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 28–32 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 10–15 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ व हल्के बादल रहने की संभावना है।
- **निमाड घाटी क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 29–35 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 12–17 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ व हल्के बादल रहने की संभावना है।

किसान भाईयों के लिए कृषि परामर्शः

गिर्द

- गेह् की फसल इस समय बाली निकलने व दूधिया अवस्था में ह । इस समय गेहूँ की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- सरसों की फसल जिसमें 75 प्रतिशत फलियां पीली पड चुकी ह उस फसल की कटाई करें व सुखाकर गहाई करें।
- मूंग की बोनो हेतु पीला चिन्त वर्ण रोग प्रतिरोधी उन्नतशील प्रजातियॉ जैसे– टी.जे.एम.–3 व एस.एम.एल.–668 आदि का चयन कर बोनी करें।
- संभावित मौसम पूर्वानुमान में तापमान में वृद्धि को देखते हुए इस समय आलू की खुदाई करें।
- लौकी, तोरई, कददू, ककडी, खीरा व करेला आदि के बीज को काबन्डाजिम दवा से उपचारित कर पर्याप्त नमीं की दशा में बोनी करें।
- खुरपका–मुँहपका रोग का टीकाकरण पशुचिकित्सक की सलाह से अवश्य करायें।

विंध्य पठार

- पानी की समस्या को देखते हुए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि सबसे गहरे खेत की मेडबन्दी कर बर्षा जल को खेत में रोकें एवं गॉव के आसपास के नालों में जगह जगह बोरी बंन्धान का कार्य करें ।
- चना, गेहूँ एवं अन्य रबो फसलों की परिपक्वन अवस्था को देखते हुए कटाई–मडाई एवं सुखाई कर लगभग 10 प्रतिशत नमी पर भण्डारण कर सुरक्षित रखें।
- ग्रीष्म कालीन मूंग की उन्नत जातियॉ जैसे पी.डी.एम.–11, जे.एम.–721, टी.जे.एम.–1 इत्यादि बोऐं।
- उडद की किस्में जैसे जवाहर उडद– 2, पी.डी.यू. –1, टी.पी.यू.–4 इत्यादि बोऐं ।
- भिण्डी, बरबटी, ग्रीष्मकालीन मक्का आदि के उत्पादन के लिए खेत की तैयारी कर बीज की बोआई करें।
- मिर्च, टमाटर, बैगन आदि की पौध तैयार करें और तैयार पौध की रोपाई करें।
- खुरपका–मुँहपका रोग का टीकाकरण पशुचिकित्सक की सलाह से अवश्य करायें। पशुओं के लिए हरे चारे की मई–जून माह में उपलब्धता हेतु ज्वार चरी की बुआई के लिए खेत तैयार करें।

निमाड घाटी

- गेंहू के बीज में कण्डवा रोग से ग्रसित बालियों को निकाल कर गेह् की गहाई करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों के अंकुरित पौधों को कीटों से बचाने हेतु नीम तेल 20 मिली/प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पशुओं को किलनी एवं जूं से रक्षा हेतु मेलाथियान/क्लीनर/ब्यूटाक्स का 2 मिली/लीटर पानी में घोल कर उनके शरीर के ऊपर लगाएं।

डॉ. एम.के. त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक (भौतिकी एवं मौसम विज्ञान)
कृषि अभियांत्रिकी विभाग
कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)

डॉ. एच.एस. भदौरिया
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
रा.वि.सिं. कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)